मुख्य परीक्षा

**'भारत में सूखा पड़ना काफी चिंताजनक विषय है।' इस परिप्रेक्ष्य में इसके प्रबंधन हेतु एन.डी.आर.एफ. द्वारा जारी गाइडलाइन की चर्चा करें तथा साथ ही इसके महत्व को भी बतायें। ( 150 शब्द )**

**'The situation of drought in India is of major concerns'. Discuss the guidelines of N.D.R.F issued in this regard and also mention its importance. (150 Words)**

## मॉडल उत्तर

### भूमिका में

सूखा एक प्राकृतिक प्रकोप है, जो किसी अन्य प्रकोप से भिन्न होता है। इसका प्रारम्भ धीरे-धीरे होता है तथा एक बड़े क्षेत्र को जल की कमी के द्वारा प्रभावित करने की क्षमता रखता है, किन्तु इससे संरचनात्मक विध्वंस कम होता है।

### ⇨ मुख्य विषय वस्तु:

सूखा का सीधा प्रतिकूल प्रभाव मानव समुदाय पर पड़ता है। एन.डी.आर.एफ. ने इसके अंतर्गत संरचनात्मक और गैर संरचनात्मक उपायों के द्वारा सूखे की प्रभाविता को कम करने को दिशा-निर्देश जारी किया है। सूखा निवारण तथा सूखा निरोध (Drought Mitigation and Prevention) के अंतर्गत निम्न पक्षों को सम्मिलित किया गया है-

- समय रहते सूखे की उचित भविष्यवाणी की उचित व्यवस्था करना।
- वायु में आर्द्रता तथा वर्षा में वृद्धि करने के पहले से आ रहे उपायों, यथा: वनरोपण, पुन: वनरोपण तथा मेघ बीजन को और अधिक समुन्नत तथा तेज करना।
- शुष्क मौसम में उपयोग हेतु वर्षा के जल को सततवाहिनी तथा मौसमी नदियों पर छोटे-छोटे बांधों तथा जलभंडारों का निर्माण करना।
- सूखा प्रभावित क्षेत्रों में जल के कम-से-कम उपयोग हेतु उचित भूमि उपयोग तथा फसल प्रबंधन यथा फसल चक्र, कम सिंचाई वाली कृषि, ड्रिप सिंचाई पर जोर देना।
- कृषि की वर्षा जल पर निर्भरता को कम करने के लिए शुष्क कृषि तकनीक को अपनाना।
- जलभण्डारों, जलाशयों तथा कुंओं का निर्माण।
- फल बागानों तथा चारागाहों का विकास करना।
- फसल बीमा की व्यवस्था करना जो फसल तैयार होने के बाद भी उन्हें प्रदान करेगी।
- जन जागरूकता और शैक्षणिक पाठ्यक्रम में स्थान।

### अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।